Toppersnotes
Unleash the topper in you

2nd – ग्रेड

वरिष्ठ अध्यापक

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)

प्रथम – प्रश्न पत्र

भाग – 2

सामान्य अध्ययन (राजस्थान)

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	राजस्थान का सामान्य परिचय	1
2	राजस्थान का भौतिकीय स्वरुप	5
3	नवीनतम संभाग एवं जिला परिदृश्य	8
4	राजस्थान का भौगोलिक विभाजन प्रदेश	25
5	जलवायु	36
6	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	47
7	मृदा	68
8	राजस्थान में वनस्पति (वन)	72
9	कृषि	77
10	वन्यजीव एवं जैव विविधता, चुनौतिया और संरक्षण एवं पर्यावरणीय मुद्दे या समस्याएँ	85
11	पशुधन	107
12	जनसंख्या 2011	119
13	उद्योग	124
14	पर्यटन	148
15	राज्यपाल	178
16	मुख्यमंत्री	184
17	राज्य मंत्रिपरिषद्	189
18	राज्य सचिवालय एवं मुख्य सचिव	193
19	राजस्थान लोक सेवा आयोग	196
20	राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग	199
21	स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज	202
22	विधान सभा	216
23	राजस्थान की राज्य राजनीति	225

1 CHAPTER राजस्थान का सामान्य परिचय

- राजस्थान **भौगोलिक दृष्टि** से वर्तमान में भारत का **सबसे बड़ा राज्य** है जो भारत के मान चित्रानुसार **उत्तर पश्चिम दिशा** में स्थित है । **1 नवम्बर 2000** को **मध्यप्रदेश** से **छत्तीसगढ़** का गठन हुआ और उसी दिन से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य बना।

(IA-2012, police Const -2002)

- **वैदिक काल** में **ऋगवेद** में राजस्थान को **ब्रह्मवर्त** (सरस्वती और दृशद्वती नदियों के बीच) तथा **रामायण** में **वाल्मीकि** ने राजस्थान प्रदेश को **मरुकांतर** कहा है।
- **वि संवत 682** के **बसंतगढ़ शिलालेख** (सिरोही**)** में राजस्थान शब्द का प्राचीनतम नाम **'राजस्थानियादित्य'** मिलता है । **मुहणोत नैणसी की ख्यात** व **राजरूपक** में **राजस्थान** शब्द का प्रयोग हुआ है।

(CET 10+2 -2023)

- **छठी सताब्दी** के बाद राजस्थानी भू भाग में **राजपूत राज्यों** का उदय प्रारंभ हुआ । राजपूत राज्यों की प्रधानता के कारण इसे **राजपुताना** कहा जाने लगा।
- **आयरलैण्ड** (आयरिश) के निवासी **जार्ज थामस** (सन् 1800 ई) ने में राजस्थान के इस भाग के लिए '**राजपुताना**' शब्द का प्रयोग किया । इसका उल्लेख **विलियम फ्रेंकलिन** की पुस्तक **"Military Memoirs of Mr. George Thomas"** में मिलता है।

(Steno 2018, Jen Ele. 2020)

- **कर्नल जम्स टॉड** (19 वी. सदी) ने अपनी पुस्तक **"एनॉल्स एंड एटीक्रिटिज ऑफ़ राजस्थान"** मे **राजस्थान शब्द** का प्रयोग किया। इस पुस्तक का दूसरा नाम "**द सेंट्रल एंड वेस्टर्न राजपूत स्टेट्स ऑफ इंडिया**" है।

(School Lecturer 2015)

- **स्थानीय साहित्य** एवं **बोलचाल** के आधार पर **कर्नल जेम्स टॉड** ने इस क्षेत्र को **"रायथान"** कहा।
- राजस्थान के दक्षिण-पश्चिम में **गुजरात**, दक्षिण-पूर्व में **मध्य प्रदेश**, उत्तर-पूर्व में **पंजाब**, उत्तर-पूर्व में **उत्तर प्रदेश** और **हरियाणा** स्थित है।
- राजस्थान के साथ लगने वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा **रेड क्लिप रेखा** कहते है जो पाकिस्तान के साथ **1070 किमी साझा** होती है।
- राजस्थान का कुल क्षेत्रफल **3,42,239 वर्ग किमी** है। जो कि देश का **10.41%** है। क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान श्रीलंका से पांच गुना, चेकोस्लोवाकिया से तीन गुना, इजराइल से सत्रह गुना तथा इंग्लैण्ड से दुगुने से भी बड़ा है। जापान की तुलना में राजस्थान कुछ ही छोटा है।

(2nd grade Tea Sanskrit 2019)

- **30 मार्च, 1949** को **चार बड़ी रियासतों** जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर एवं बीकानेर का राज्य में विलय होने के बाद **वृहत राजस्थान** का गठन हुआ। इसलिए तभी से **30 मार्च** को '**राजस्थान दिवस** ' के रूप में मनाया जाता है।

(VDO -2021, Patwar – 2011)

- **26 जनवरी 1950** को औपचारिक रूप में इस प्रदेश का नाम **राजस्थान** स्वीकार किया गया।
- राजस्थान के **पहले राजप्रमुख** जयपुर के **महाराजा सवाई मानसिंह** एवं मुख्यमंत्री श्री **हीरालाल शास्त्री** बने।

(REET -2022, CET 10+2 – 2023)

- **महा राजप्रमुख** मेवाड़ के **महाराणा भूपाल सिंह** बने।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या **6,85,48,437** है जो की देश की जनसंख्या का **5.67 %** है। **जनसंख्या की दृष्टि** से राजस्थान **देश** में **सातवें स्थान** पर है तथा साक्षरता दर **66.11%** है

(CET 10+2 – 2023)

राजस्थान की स्थापना **(Agri Sup – 2021)**	30 मार्च 1949
राजस्थान का अर्थ	राजाओं का स्थान
राज्य की राजधानी	जयपुर
राजस्थान का कुल क्षेत्रफल	3,42,239 वर्ग किलोमीटर
कुल जिलो की संख्या	50 जिले और 10 संभाग
राजस्थान की कुल जनसंख्या	6,85,48,437 (2011 की जनगणना के अनुसार)
लोकसभा सीटें	25
राज्यसभा सीटें	10
विधानसभा सीटें	200
राज्य के पहले मुख्यमंत्री	श्री हीरालाल शास्त्री
राज्य के प्रथम राज्यपाल	श्री गुरुमुख निहाल सिंह
राज्य के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष	श्री नरोत्तम लाल जोशी
वर्तमान मुख्यमंत्री	श्री भजनलाल शर्मा
वर्तमान उप- मुख्यमंत्री	श्री प्रेम चंद बैरवा और श्रीमती दिया कुमारी (2nd महिला उप- मुख्यमंत्री)
वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष	श्री वासुदेव देवनानी
राज्य वृक्ष	खेजड़ी
राज्य पुष्प	रोहिडा वृक्ष का पुष्प
राज्य पशु	चिंकारा और ऊंट

Unleash the topper in you

राजस्थान के प्रतीक चिन्ह एवं जिलों के शुभंकर

राजस्थान के प्रतीक चिन्ह

राज्य सरकार ने राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए स्वीकार्य स्थानों व अवसरों में उपयोग किए जाने हेतु राज्य के **प्रतीक चिन्ह** को सूचित किया है। इन प्रतीक चिन्हों का **भौगोलिक**, **सांस्कृतिक** एवं **ऐतिहासिक** महत्त्व है।

- **राज्य वृक्ष - खेजड़ी**

  (PSI -2021, REET L-1 -2021, 2nd Grade -2022

  - खेजड़ी **धार्मिक** एवं **भौगोलिक दृष्टि** से एक **महत्वपूर्ण वृक्ष** है। खेजड़ी को **31 अक्टूबर, 1983** में **राज्य वृक्ष** के रूप में घोषित किया गया।

    Industry Inspector- 2018, EO/RO -2023)
  - खेजड़ी को **"रेगिस्तान का गौरव"** अथवा "**थार का कल्पवृक्ष**" कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम "**प्रोसेसिप-सिनेरेरिया**" है। **5 जून 1988** (विश्व पर्यावरण दिवस) को खेजड़ी वृक्ष पर **60 पैसे** का **डाक टिकट** जारी किया गया।
  - **विजयदशमी** के अवसर पर इस वृक्ष कि **पूजा** की जाती है।
  - राजस्थान में खेजड़ी के वृक्ष के नीचे **गोगाजी** व **झुंझार बाबा** का **मंदिर/थान** बनाये जाते है।
  - **स्थानीय भाषा** में **सीमलो** कहते हैं तथा **बिश्नोई सम्प्रदाय** के लोग **शमी** के नाम से जानते है। खेजड़ी को विभिन्न भाषाओँ में अलग अलग नामों से जाना जाता है जैसे - पंजाबी व हरियाणावी मे जांटी, तमिल में पेयमेय, कन्नड़ में बन्ना-बन्नी, सिंधी में धोकड़ा।
  - खेजडी की **हरी फलियों** को **सांगरी**, **सुखी फलियों** को **खोखा** और **पत्तियों** को **लुंग/लुम** कहते है।
  - खेजड़ी के वृक्ष सर्वाधिक **राजस्थान** के **शेखावटी क्षेत्र** तथा **नागौर जिले** में देखे जा सकते है
  - प्रत्येक वर्ष **12 सितम्बर** को **खेजड़ली दिवस** के रूप में मनाया जाता है। प्रथम खेजड़ली दिवस **12 सितम्बर 1978** को मनाया गया था। **(REET L-1 2022)**
  - **वन्य जीव सरंक्षण** हेतु दिया जाने वाला सर्वक्षेष्ठ पुरस्कार **अमृता देवी वन्य जीव** पुरस्कार है। इस पुरस्कार की शुरूआत **1994** में की गई। इस पुरस्कार के तहत **संस्था** को **50,000 रूपये** व **व्यक्ति** को **25,000 रूपये** दिये जाते है। **पाली** के रहने वाले **गंगाराम बिश्नोई** को **प्रथम अमृता देवी वन्यजीव पुरस्कार** को दिया गया।
  - पर्यावरण सरक्षण के लिए सर्वप्रथम बलिदान **अमृतादेवी** के द्वारा **वर्ष 1730** में दिया गया। अमृता देवी द्वारा यह बलिदान **भाद्रपद शुक्ल दशमी** को **जोधुपर** के **खेजड़ली गाँव** में **363 लोगों** के साथ दिया गया। बिश्नोई सम्प्रदाय द्वारा दिया गया यह बलिदान **साका/खडाना** कहलाता है।
  - राजस्थान सरकार ने राज्य **जीव जंतु कल्याण बोर्ड** का नाम **अमृता देवी राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड** कर दिया।
  - ऑपरेशन खेजड़ा की शुरूआत **वर्ष 1991** में हुई।

- **राज्य पुष्प - रोहिडा का फुल**

  (Police Const -2020, RAS – 2021,

  - **21 अक्टूबर 1983** को **रोहिडा के फुल** को **राज्य पुष्प** के रूप में अपनाया गया। इसे **मरूशोभा** या **रेगिस्थान का सागवान** भी कहते है। इसका वैज्ञानिक नाम **टिको मेला अंडुलेटा** है। **जोधपुर** में रोहिड़ा के वृक्ष को **मारवाड़ टीक** के नाम से भी जाना जाता है।
  - राजस्थान के **पष्चिमी क्षेत्र** में रोहिड़ा के वृक्ष सर्वाधिक देखे जा सकते है। इसके पुष्प **मार्च-अप्रैल** के महिने मे खिलते है।
  - रोहिड़ा के वृक्ष राजस्थान के कई प्रदेशों में **इमारती लकड़ी** का मुख्य स्रोत है। यह **शुष्क** व **अर्ध शुष्क क्षेत्रों** में पाया जाने वाला **पतझड़ी प्रकार** का वृक्ष है। रोहिड़ा के वृक्ष मिट्टी धोरों के स्थिरीकरण के लिए बहुत उपयोगी वृक्ष है।

- **राज्य पशु**
  - राजस्थान में राज्य पशु की **दो श्रेणियाँ** विभाजित किया गया है। पहली **वन्य जीव श्रेणी** में **चिंकारा** तथा दूसरी **डोमेस्टिक (पालतू) जीव श्रेणी** में **ऊँट** को अपनाया गया हैं।

1. **चिंकारा –**

   (Police Const -2020, 3rd Grade – Hindi – 2023)

   - चिंकारा को **22 मई 1981** में **राज्य पशु** घोषित किया गया। इसका वैज्ञानिक नाम **गजेला-गजेला** या **गजेला बेनेट्टी** है। और यह **श्रीगंगानगर** का **शुभंकर** भी है।
   - चिंकारा को **छोटा हरिण** के उपनाम से भी जाना जाता है। यह **एन्टीलोप प्रजाती** का एक मुख्य जीव है।
   - चिंकारा राजस्थान के **मरूस्थलीय भाग** में **सर्वाधिक संख्या** में पाया जाता है। चिकारों के लिए **नाहरगढ़ अभ्यारण्य जयपुर** प्रसिद्ध है।

2. **ऊँट –**

   (Police Const -2020, 3rd Grade – Hindi – 2023)

   - **30 जून 2014** को राजस्थान सरकार ने **ऊँट** को भी **राज्य पशु** का दर्जा दिया। यह घोषणा **19 सितम्बर 2014** को **बीकानेर** में की गई थी। ऊंट को **रेगिस्तान का जहाज़** के नाम से भी जाना जाता है।
   - राजस्थान में पाए जाने वाले ऊँट का वैज्ञानिक नाम **कैमलस ड्रोमेडेरियस** है।
   - राजस्थान में सर्वाधिक ऊँट **बाड़मेर जिलें** में तथा सबसे कम ऊँट **प्रतापगढ़ जिलें** में पाए जाते है।

- राजस्थान में पाए जाने वाली ऊँटों की प्रमुख नस्लें **गोमठ, नाचना, जैसलमेरी, अलवरी, सिंधी, कच्छी, बीकानेरी** आदि हैं ।
- राजस्थान में ऊँट पालने के लिए **रेबारी जाति** प्रसिद्ध है तथा **लोकदेवता पाबूजी** को **ऊंटो का देवता** भी कहते है। **(VDO -2021)**
- **गोरबंद गीत** राजस्थान का **ऊँट श्रृंगार** का गीत है। ऊँट के **नाक** में डाले जाने वाला **लकड़ी का बना** आभूषण **गिरबाण** कहलाता है।
- राजस्थान में **ऊँट की खाल** पर की जाने वाली **कलाकारी** को **उस्ता कला** तथा **ऊंट की खाल** से बनाये जाने वाले **ठण्डे पानी के जलपात्रों** को **कॉपी** कहा जाता है।
- **5 जुलाई, 1984** को राज्य के **बीकानेर जिले** के **जोहड़ बीड** में **राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र** स्थापित किया गया है ।
- **ऊंटनी के दूध** की उपयोगीता को देखते हुए **बीकानेर** में **ऊँटनी के दूध हेतु** एक डेयरी स्थापना की गई । इसका नाम **उरमूल डेयरी** रखा गया और यह **भारत** की **एकमात्र ऊँटनी के दूध की डेयरी** है। ऊंटनी का दूध **विटामिन - C** का **प्रमुख स्रोत** होता है।
- बीकानेर के **महाराज गंगासिंह** ने **पहले विश्वयुद्ध** में '**गंगा रिसाला**' नाम से **ऊंटों की एक सेना** बनाई थी । इसे बाद में **भारत सरकार** द्वारा **सीमा सुरक्षा बल (BSF)** में शामिल कर लिया गया।

- **राज्य पक्षी – गोडावण**

CET 2023, 3rd Grade – Hindi – 2023)

  - **वर्ष 1981** को **राजस्थान सरकार** ने **गोडावण** को **राज्य पक्षी** का दर्जा दिया। गोडावण को **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** के नाम से भी जाना जाता है और इसे **माल गोरड़ी** व **सौनचिडिया** भी कहा जाता है। राजस्थान के अलग अलग क्षेत्रों में गोडावण को **सारंग, कुकना, तुकदर, बडा तिलोर** आदि कई प्रकार के नामों से भी जाना जाता है। गोडावण का वैज्ञानिक नाम **एरडेओटिस नाइग्रीसेप्स** है। यह मुलतः **अफ्रीकी पक्षी** है।
  - गोडावण राजस्थान के **मरूउधान (जैसलमेर, बाड़मेर), सोरसन (बांरा), सोकंलिया (अजमेर)** आदि में सर्वाधिक देखा जा सकता है और राजस्थान के अलावा **गुजरात** में भी सर्वाधिक देखा जा सकता है ।
  - गोडावण का प्रमुख भोजन **मूगंफ**ली व **तारामीरा** आदि है और इसका **प्रजनन काल अक्टूबर-नवम्बर** का महिना माना जाता है।
  - **IUCN** की **संकटग्रस्त प्रजातियों** में इसे **गंभीर रूप** से **संकटग्रस्त श्रेणी** में तथा **भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972** की **अनुसूची 1** में रखा गया है।
  - राज्य पक्षी गोडावण को **विलुप्त होने से बचाने** हेतु, **राज्य सरकार**, **भारतीय वन्यजीव संस्थान** और **केंद्र सरकार** मिलकर कई **प्रजनन केंद्र** स्थापित कर रहे हैं।
  - राजस्थान सरकार ने **वर्ष 2013** में **विश्व पर्यावरण दिवस** पर **प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** की शुरुआत की।
  - देश का पहला गोडावण प्रजनन केंद्र **डेजर्ट नेशनल पार्क (जैसलमेर व बाड़मेर)** में स्थापित किया गया है। गोडावण प्रजनन के लिए **जोधपुर जंतुआलय** प्रसिद्ध है

- **राज्य गीत -केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश**
  - राजस्थान का राज्य गीत केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश है जिसको सर्वप्रथम उदयपुर की मांगी बाई के द्वारा गया और इस गीत को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर बीकानेर की अल्ला जिल्ला बाई(राज्य की मरूकोकिला) ने गाया। अल्ला जिल्ला बाई ने सबसे पहले केसरिया बालम बीकानेर महाराजा गंगासिंह के दरबार में गाया था। इस गीत को मांड गायिकी में गाया जाता है।
  - लता मंगेशकर ने वर्ष 1990 में इस गीत को गाया और इसे वर्ष 1991 में रिलीज़ किया गया था।

- **राज्य नृत्य - घुमर**
  - राजस्थान सरकार ने **वर्ष 1986** में घुमर नृत्य को **राज्य नृत्य** का दर्जा दिया । घूमर नृत्य राजपूत राजाओं के शासनकाल के दौरान किया जाने वाला राजस्थान का एक **परंपरागत लोकनृत्य** है। इसका विकास **भील जनजाति** ने **मां सरस्वती** की आराधना करने हेतु किया था और बाद में अन्य समुदायों ने भी इसे अपना लिया । घुमर केवल **महिलाओं** द्वारा किया जाने वाला नृत्य हैं । घुमर को राजस्थान के **लोकनृत्यों की रानी**, **नृत्यों का सिरमौर (मुकुट)**, **राजस्थानी नृत्यों की आत्मा** कहा जाता है।
  - इस नृत्य को विशेष अवसरों जैसे विवाहों, त्योहारों और धार्मिक अवसरों पर किया जाता है। यह नृत्य राजस्थान की **समृद्ध संस्कृति** और **विरासत** को प्रदर्शित करता है। इसे राज्य की जनजातियों के लिए नारीत्व का प्रतीक कहा जाता है ।
  - यह नृत्य मुख्यतः महिलाएं **घूंघट लगाकर** और एक **घुमेरदार पोशाक** जिसे **घाघरा** कहते हैं, पहन कर करती हैं।

- **राज्य शास्त्रीय नृत्य - कत्थक**
  - कत्थक **उत्तरी भारत** का प्रमुख **शास्त्रीय नृत्य** है। कत्थक का उद्गम **जयपुर घराना** से माना जाता है । **भारत** इसका **मुख्य घराना** में **लखनऊ** व **जयपुर** है । जयपुर को कत्थक का **आदिमघराना** व **पुराना घराना** के नाम से जाना जाता हैं। कत्थक के जन्मदाता **भानू जी महाराज** को माना जाता है। कत्थक को **मंगल सुखी नृत्य** भी कहा जाता है।

- **राजस्थान का राज्य खेल – बास्केटबॉल**

(Police Const -2020, 3rd Grade – Hindi – 2023)

  - बास्केटबॉल, विश्व के सबसे **लोकप्रिय** और **व्यापक रूप** से देखे जाने वाले खेलों में से एक है। राजस्थान में बास्केटबॉल को **वर्ष 1948** में **राज्य खेल** के रूप में घोषित किया गया। इस खेल में **5 सक्रिय खिलाड़ी** वाली **दो टीमें** होती हैं

- वर्ष 1957 में **राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद** की स्थापना हुई की गई। इसका उद्देश्य राजस्थान खेलों में अपनी खास पहचान बना सके। यह परिषद, **राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958** के तहत **पंजीकृत** है। यह **युवा मामले एवं खेल विभाग** के नियंत्रण में है।

शुभंकर

- वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु **राजस्थान वन विभाग** ने हर ज़िले के लिए **एक वन्यजीव** को **शुभंकर** घोषित किया गया है। संबंधित ज़िले में पाए जाने वाले वन्यजीवों में से ही शुभंकर चुना गया है।
- **शुभंकर पहल** से हर जिले को **एक वन्यजीव** के नाम पर एक अलग **पहचान** मिलेगी।

संभाग वार जिलों के शुभंकर

Lab Asst – 2022, 3rd Grade– 2023, SCI-2022)

1. अजमेर संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	अजमेर	खरमोर
2	ब्यावर	-
3	केकड़ी	-
4	नागौर	राजहंस
5	टोंक	हंस
6	शाहपुरा	-
7	डीडवाना-कुचामन	-

2. जयपुर संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	जयपुर शहर	*हिरण
2	जयपुर ग्रामीण	-
3	दौसा	खरगोश
4	अलवर	सांभर
5	खैरथल तिजारा	-
6	दूदू	-
7	बहरोड़-कोटपूतली	-

3. सीकर संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	सीकर	शाहीन
2	नीमकाथाना	-
3	झुंझुनू	काला तीतर
4	चुरू	कृष्ण मृग

4. बीकानेर संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	बीकानेर	भट्ट तीतर
2	अनूपगढ़	-
3	हनुमानगढ़	छोटा किलकिला
4	श्री गंगानगर	चिंकारा

5. भरतपुर संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	भरतपुर	सारस
2	धौलपुर	पचीरा (इण्डियन स्क्रीमर)
3	करौली	घड़ियाल
4	सवाई माधोपुर	बाघ
5	डीग	-
6	गंगापुर सिटी	-

6. कोटा संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	कोटा	उदबिलाव
2	बूँदी	सुर्खाब
3	बाराँ	मगरमच्छ
4	झालावाड़	गागरोनी तोता

7. उदयपुर संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	उदयपुर	कब्र बिज्जू
2	भीलवाडा	मोर
3	राजसमंद	भेडिया
4	चित्तौड़गढ़	चौसिंगा
5	सलूम्बर	-

8. जोधपुर संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	जोधपुर शहर	*कुरजां
2	जोधपुर ग्रामीण	-
3	फलौदी	-
4	जैसलमेर	गोडावण
5	बाड़मेर	मरू लोमड़ी
6	बालोतरा	अघोषित

9. पाली संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	पाली	तेन्दुआ
2	सांचौर	अघोषित
3	जालौर	भालू
4	सिरोही	जंगली मुर्गा

10. बाँसवाड़ा संभाग के जिलों के शुभंकर

क्र.स.	जिले का नाम	शुभंकर का नाम
1	बांसवाड़ा	जल पीपी
2	डूंगरपुर	जांघिल
3	प्रतापगढ़	उड़न गिलहरी

वर्तमान में नए जिलों के शुभंकर घोषित नहीँ किये गये हैं।

* जयपुर और जोधपुर शहर के पुनर्गठन से पहले के शुभंकर क्रमश: हिरण और कुरजां

Unleash the topper in you

2 CHAPTER राजस्थान का भौतिकीय स्वरुप

- राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान का **क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किमी** है, जो देश के क्षेत्रफल का **10.41%** भाग है ।

(2nd Grade Teach, Electrician Instructor 2019)

- राजस्थान की आकृति **विषमकोणीय चतुर्भुज / रोम्बस / पतंगाकार** के समान है। राजस्थान से **अंतर्राजीय** एवं **अन्तर्राष्ट्रीय** दोनों प्रकार की **सीमा** लगती हैं।

(Pol Const – 2022, JEN – ME - 2022)

राजस्थान की भौगोलिक उत्पति

Forest Guard-2022

राजस्थान की भू-गर्भिक संरचना भारत के अन्य प्रदेशों की तुलना में विशिष्ट है। विश्व के संदर्भ में राजस्थान का निर्माण **गोंडवानालैण्ड** व **टेथिस सागर** से हुआ हुआ है।

REET L-1, L-2 -2022)

- राजस्थान में टेथिस सागर का भाग - पश्चिमी रेतीला प्रदेश और पूर्वी मैदानी प्रदेश ।
- राजस्थान में टेथिस सागर का भाग - अरावली व दक्षिणी - पूर्वी पठारी प्रदेश ।

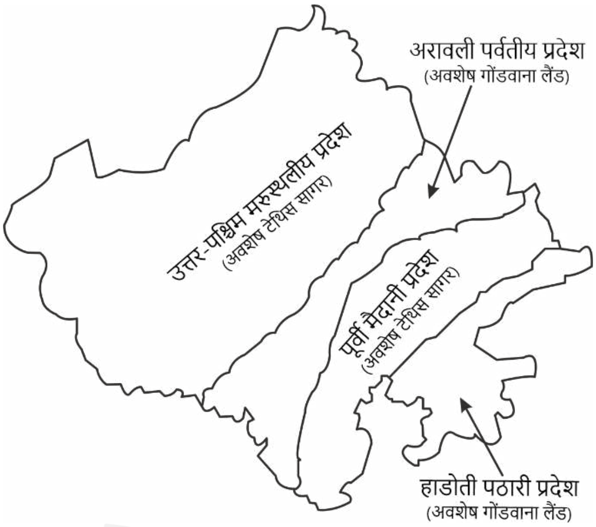

राजस्थान की भौगोलिक स्थिति

a. विश्व के सन्दर्भ में राजस्थान स्थिति -

अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार 23° 03' उत्तरी अक्षांश से 30° 12' उत्तरी अक्षांश और 69° 30' पूर्वी देशांतर से 78° 17' पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है ।राजस्थान अक्षांशीय स्थिति के अनुसार उत्तरी गोलार्द्ध में तथा देशांतरीय स्थिति के अनुसार पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है । अतः वैश्विक मान-चित्रानुसार राजस्थान के स्थिति **उत्तर पूर्वी (ईशान दिशा)** की ओर है।

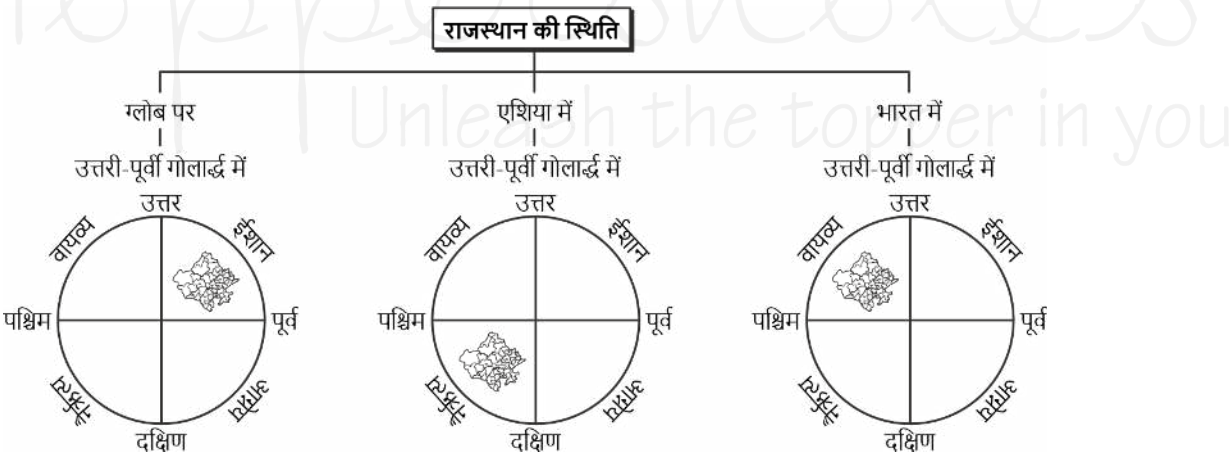

एशिया महाद्वीप के सन्दर्भ में राजस्थान की स्थिति -

एशिया महाद्वीप के मानचित्र में राजस्थान की स्थिति **दक्षिण - पश्चिम (नैऋत्य दिशा)** की ओर है।

b. भारत के सन्दर्भ में राजस्थान की स्थिति –

(JEN ME -2022, ASO – 2016)

भारत के भोगोलिक दृष्टि से राजस्थान **उत्तर - पश्चिम (वायव्य दिशा)** में स्थित है।

राजस्थान का भौगोलिक विस्तार

- राजस्थान राज्य का अधिकांश भाग **कर्क रेखा ($23^0 3'$ उत्तरी अक्षांश रेखा)** के **उत्तर** में स्थित है। राजस्थान का **उत्तर से दक्षिण** की ओर **विस्तार 826 किलोमीटर** है जबकि **पूर्व से पश्चिम** ओर यह **विस्तार 869 किलोमीटर** है।

(JEN ME -2018, 2nd Grade Sanskrit – 2019, BCI - 2022)

- राजस्थान की **पूर्व से पश्चिमी** व **उत्तर से दक्षिण** की लम्बाई में कुल अंतर **43 किमी** है।

Toppers Notes Unleash the topper in you

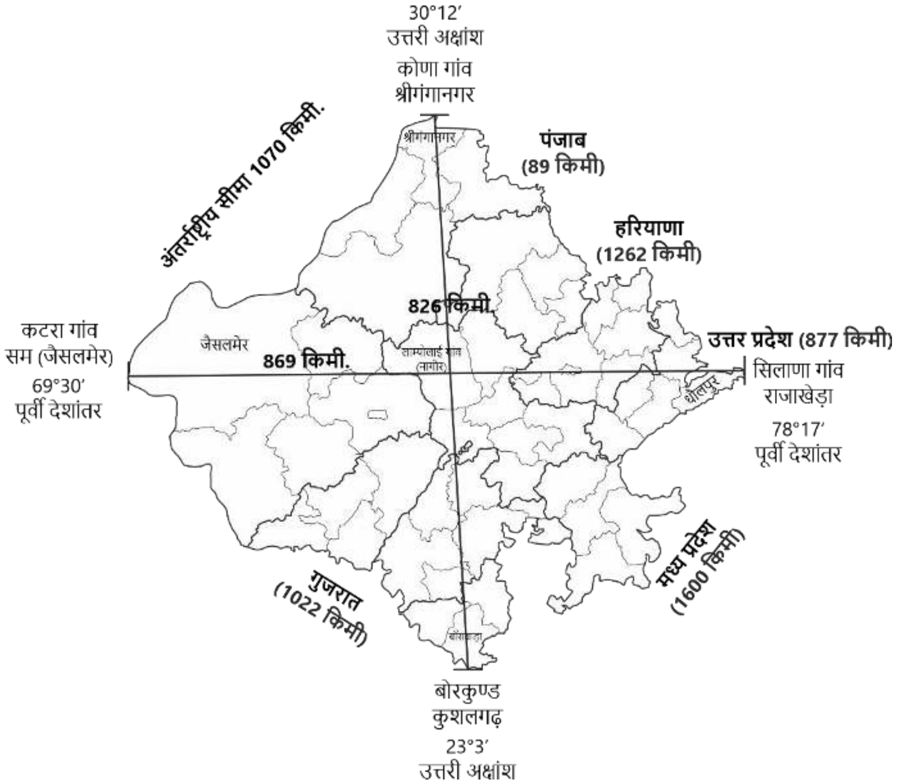

- राजस्थान की **उत्तर-पश्चिम** से **दक्षिण-पूर्व** की ओर **लम्बाई 850 किमी** है। राजस्थान की **उत्तर-पूर्व** से **दक्षिण-पश्चिम** की ओर **लम्बाई 784 किमी** है। राजस्थान की **उत्तर-पश्चिम** से **दक्षिण-पूर्व** तथा **उत्तर-पूर्व** से **दक्षिण-पश्चिम** की लम्बाई में कुल अंतर **66 किमी** है।
- राज्य का सबसे **उत्तरी बिंदु** गंगानगर ज़िले के **कोणा गांव** में तथा सबसे **दक्षिणी बिंदु** बांसवाड़ा ज़िले की **कुशलगढ़ तहसील** के **बोरकुंड गांव** में है।
- राज्य का सबसे **पश्चिमी बिंदु** जैसलमेर ज़िले **सम तहसील** के **कटरा गांव** में तथा सबसे **पूर्वी बिंदु** धौलपुर ज़िले **राजाखेड़ा तहसील** के **सिलावट गांव** में है।
- राजस्थान का मध्यवर्ती केंद्र बिंदु **लाम्पोलाई गांव (नागौर)** है।
- **कर्क रेखा** (23^0 3′ उत्तरी अक्षांश रेखा) राज्य के **डूंगरपुर जिले** की **दक्षिणी सीमा** से होती हुई **बाँसवाड़ा जिले** के लगभग **मध्य से** गुजरती है।

(JEN - ME 2020)

राजस्थान की सीमा विस्तार

राजस्थान की कुल **स्थलीय सीमा** की लंबाई **5,920 किलोमीटर** है। राजस्थान की सीमा रेखा को हम **दो भागों** में विभाजित करते है

Jr. Scientific Asst.(Phy)-2019

1. अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमा
2. अंतर्राज्यीय स्थलीय सीमा

1. अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमा - राजस्थान के साथ लगने वाली **अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमा** को **रेडक्लिफ रेखा** के नाम से जाना जाता है जो पाकिस्तान देश से लगती है जिसकी कुल लम्बाई **1070 किमी** है। (**भारत** और **पाकिस्तान** के मध्य स्थित अंतर्राष्ट्रीय सीमा **3323 किमी** है।) यह सीमा श्रीगंगानगर **हिन्दुमल कोट** से बाड़मेर के **शाहगढ़** तक फैली हुई है। **(Forest Guard -2022**

अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगने वाले **राजस्थान के जिले** – श्रीगंगानगर +अनूपगढ़(210 किमी), बीकानेर (168 किमी), जैसलमेर (464 किमी), बाड़मेर (228 किमी)।

(JEN – 2020)

राजस्थान के साथ लगने वाले **पकिस्तान के प्रान्त - पंजाब** (जिले - बहावलनगर, बहावलपुर, रहीमयारखानपुर) और **सिंध** (घोटकी, सुक्कुर, संघर, खैरपुर, उमरकोट, थारपाकर) प्रान्त।

2. अंतर्राज्यीय स्थलीय सीमा - राजस्थान की अंतर्राज्यीय स्थलीय सीमा की कुल लम्बाई 4850 किमी जो की देश के 5 राज्यों से लगती है।

Unleash the topper in you

राजस्थान के पडोसी राज्यों के साथ सीमा	राजस्थान के जिले	पडोसी राज्यों के जिले
पंजाब (89 किमी) दिशा – उत्तर	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ (कुल - 2 जिले)	फाजिल्का, मुक्तसर (कुल - 2 जिले)
हरियाणा (1262 किमी) दिशा - उत्तर-पूर्व	हनुमानगढ़, चूरू, झुन्झुनू, नीमकाथाना, कोटपुतली - बहरोड़, खैरथल - तिजारा, अलवर व डीग (कुल - 8 जिले)	सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवनी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नूँह (कुल - 7 जिले)
उत्तर प्रदेश (877 किमी) दिशा – पूर्व	डीग, भरतपुर, धौलपुर, (कुल - 3 जिले)	मथुरा, आगरा (कुल - 2 जिले)
मध्य प्रदेश (1600 किमी) दिश - दक्षिण-पूर्व	धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा,प्रतापगढ़ व बाँसवाड़ा (कुल - 10 जिले)	मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, अगर मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ (कुल - 10 जिले)
गुजरात (1022 किमी) दिशा - दक्षिण-पश्चिम	बाँसवाड़ा, डूंगरपुर उदयपुर, सिरोही, सांचौर व बाड़मेर (कुल - 6 जिले)	दाहोद, माही सागर,अरावली, साबरकांठा, बनासकांठा, कच्छ का रन (कुल - 6 जिले)

सीमा से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्य - (केवल राजस्थान के संदर्भ में)

- रेडक्लीफ रेखा के साथ सर्वाधिक सीमा **राजस्थान** की लगती है।
- रेडक्लीफ के सर्वाधिक दूर राजधानी मुख्यालय **जयपुर** है।
- रेडक्लीफ के साथ सर्वाधिक सीमा **जैसलमेर** जिले की लगती है। **(JEN EE – 2020)**
- रेडक्लीफ के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **अनूपगढ़** जिला है।
- हरियाणा के साथ सर्वाधिक सीमा **हनुमानगढ़** जिले की लगती है।
- हरियाणा के साथ सबसे कम सीमा **अलवर** जिले की लगती है।
- उत्तरप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा **भरतपुर** जिले की लगती है।
- उत्तरप्रदेश के साथ सबसे कम सीमा **डीग** जिले की लगती है।
- मध्यप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा **झालावाड़** जिले की लगती है। **2nd Grade Teacher-2017**
- मध्यप्रदेश के साथ सबसे कम सीमा **भीलवाडा** जिले की लगती है।
- गुजरात के साथ सर्वाधिक सीमा **उदयपुर** जिले की लगती है।
- गुजरात के साथ सबसे कम सीमा **बाड़मेर** जिले की लगती है।
- **चितौडगढ़** (विखंडित रूप से) और **कोटा** (अविखंडित रूप से) **मध्यप्रदेश** के साथ **दो बार** सीमा साझा करते है।
- वर्तमान में केवल **चितौडगढ़** ही एकमात्र विखंडित जिला है। (अजमेर पुनर्गठन के बाद विखंडित जिला नहीं रहा)
- **सीमा विवाद** - बाँसवाड़ा में स्थित मानगढ़ क्षेत्र को लेकर राजस्थान और गुजरात में विवाद।
- राजस्थान के **28** परिधीय और **22** अन्तर्वर्ती जिले है।
- कुल अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जिले - 25
- केवल अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जिले - 23
- पूर्णत: अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती जिले - 3 (अनूपगढ़, बीकानेर, जैसलमेर)
- अंतर्राज्यीय + अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती जिले - 2 (श्रीगंगानगर, बाड़मेर) **House Keeper-2022**
- राजस्थान के **22 जिले** अन्तर्वर्ती जिले है।
- राजस्थान के **4 जिले** जो दो दो राज्यों के साथ सीमा साझा करते है
  1. हनुमानगढ़ - पंजाब + हरियाणा
  2. डीग - हरियाणा + उत्तरप्रदेश
  3. धौलपुर - उत्तरप्रदेश + मध्यप्रदेश
  4. बाँसवाड़ा - मध्यप्रदेश + गुजरात
- **सर्वाधिक जिलों** के सीमा बनाने वाला जिला - **जयपुर ग्रामीण** (10 जिलों के साथ - जयपुर शहर, अलवर, कोटपुतली-बहरोड़, नीमकाथाना, सीकर, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, दूदू, टोंक, दौसा)
- राज्य के दो जिले **जयपुर शहर** और **जोधपुर शहर** जो पूर्णत: **एक जिला सीमा क्षेत्र** से **स्थलरुद्ध** हैं।
  - **जयपुर शहर** जो की **जयपुर ग्रामीण** जिले की सीमा से **पूर्णत: स्थलरुद्ध** है।
  - **जोधपुर शहर** जो की **जोधपुर ग्रामीण** जिले की सीमा से **पूर्णत: स्थलरुद्ध** है।
  - अत: इन दोनों जिलों की सीमा सबसे कम जिलों (1 जिले) से लगती है।

3 CHAPTER संभाग एवं जिला परिदृश्य

- **रामलुभाया कमेठी** की सिफारिशों से **17 मार्च 2023** को **मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत** ने **3 नए संभाग** एवं **19 नए जिले** बनाने कि घोषणा की। वर्तमान समय में राजस्थान में **10 संभाग** एवं **50 जिलें** हो गए है।
- वर्तमान में राजस्थान **सर्वाधिक जिलों** के मामले में **देश** में **उत्तरप्रदेश (75)** व **मध्य प्रदेश (55)** के बाद **तीसरे स्थान** पर है।

नोट - मुख्यमंत्री ने **6 अक्टूबर, 2023** को **मालपुरा, सुजानगढ़, कुचामन सिटी** ओर तीन **नए ज़िले** बनाने की घोषणा की है (प्रस्तावित) अगर ये तीनों जिले बनते है तो भविष्य में राजस्थान में **कुल 53 जिले** हो जायेंगे।]

- **नवीनतम संभाग** - सीकर, बाँसवाड़ा, पाली **(IA-2024)**
- **नवीनतम जिले** - अनूपगढ़, गंगापुर सिटी, कोटपूतली, बालोतरा, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, खैरथल, ब्यावर, नीमकाथाना, डींग, जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, डीडवाना, सलूंबर, दूदू, केकड़ी, सांचौर और शाहपुरा

राजस्थान के संभाग -

- नए संभाग एवं जिलों की घोषणा के बाद अब राजस्थान के **50 जिलों** को **प्रशासनिक दृष्टि** से कुल **10 संभागों** में विभाजित किया गया है
- वर्ष 1949 में **हीरालाल शास्त्री सरकार** ने राजस्थान में **संभागीय व्यवस्था** शुरूआत की गई थी।
- **मोहनलाल सुखाडिया सरकार** ने **अप्रैल, 1962** में **संभागीय व्यवस्था** को समाप्त कर दिया गया। **(RAS -2015)**
- **हरिदेव जोशी सरकार** ने **5 जनवरी, 1987** में संभागीय व्यवस्था को पुन: शुरू की। **(JEN- ME -2022)**

क्र.स.	संभाग	गठन वर्ष	ज़िले
1	**जयपुर**	1949	जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़ दौसा, खैरथल - तिजारा , अलवर (7 जिले)
2	**जोधपुर**	1949	जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा (6 जिले)
3	**बीकानेर**	1949	बीकानेर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़, गंगानगर (4 जिले)
4	**उदयपुर**	1949	उदयपुर, भीलवाडा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर (5 जिले)
5	**कोटा**	1949	कोटा, बूँदी, बारां , झालावाड़ (4 जिले)
6	**अजमेर** **(VDO-2021)**	1987	अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, नागौर, टोंक, डीडवाना-कुचामन, शाहपुरा (7 जिले)
7	**भरतपुर**	2005	भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, डीग, गंगापुर सिटी (6 जिले)
8	**पाली**	2023	पाली, सांचौर, जालौर, सिरोही (4 जिले)
9	**बाँसवाड़ा**	2023	बाँसवाड़ा , डूंगरपुर, प्रतापगढ़ (3 जिले)
10	**सीकर**	2023	सीकर, झुंझुनू, चुरू, नीमकाथाना (4 जिले)

- सर्वाधिक जिलों वाले संभाग - जयपुर (7), अजमेर(7), जोधपुर(6), भरतपुर(6), उदयपुर(5)
- न्यनतम जिलों वाले संभाग - बाँसवाड़ा (3), कोटा(4),पाली (4), सीकर(4) बीकानेर (4)

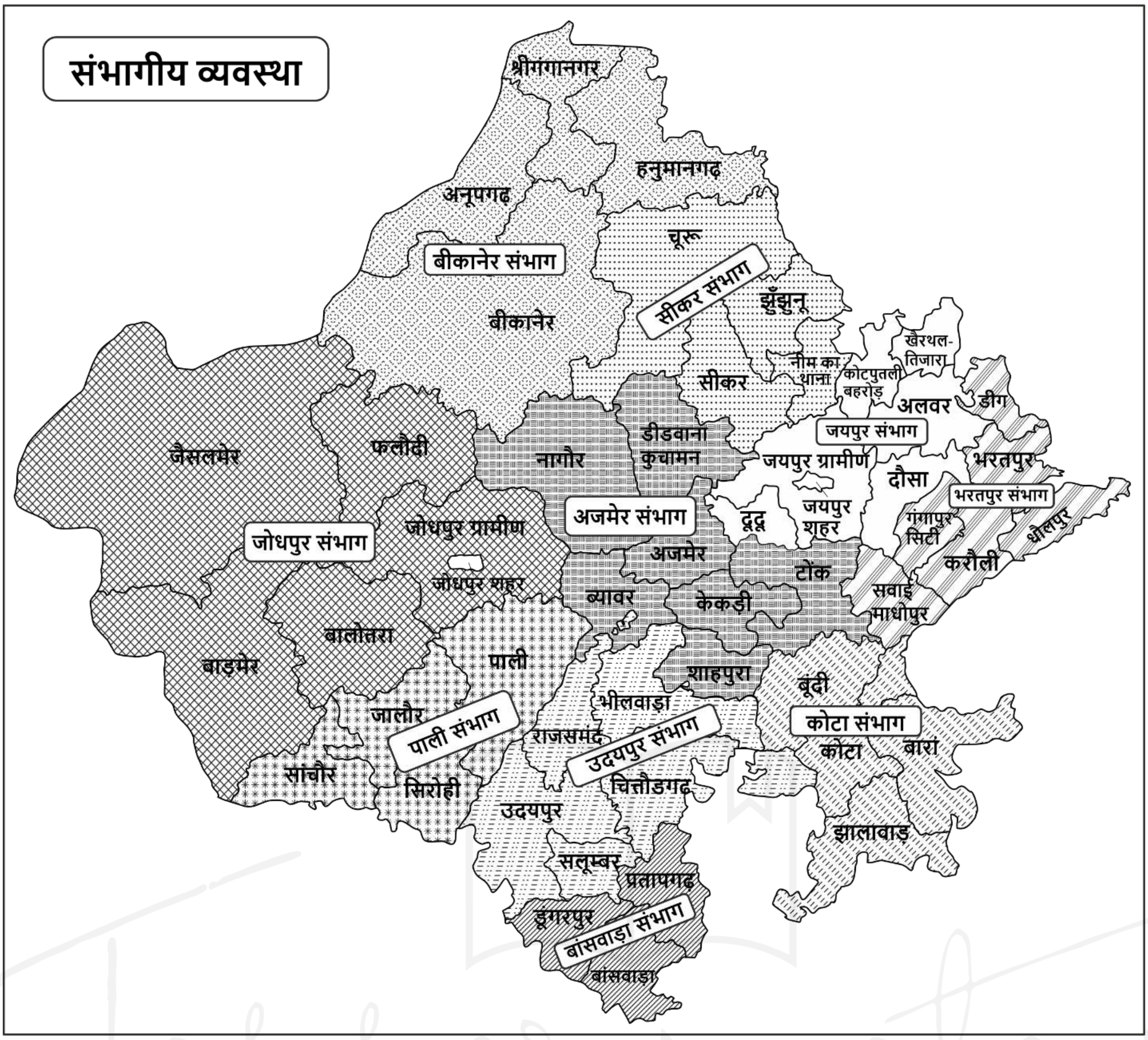

1. जयपुर संभाग -

नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **जयपुर संभाग** में **7 जिलों** को शामिल किया गया है तथा कुछ जिलों **(सीकर, झुंझुनू)** को जयपुर संभाग से हटाकर नए संभाग **(सीकर)** में शामिल किया गया है। जयपुर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -

- जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़ दौसा, खैरथल - तिजारा, अलवर

  (जेल प्रहरी – 2017, 2018)

- पूर्व जयपुर क्षेत्र से निम्नलिखित **निम्नलिखित जिले** बनाये गए
  - जयपुर शहर (पूर्व जयपुर क्षेत्र का शहरी भाग)
  - जयपुर ग्रामीण (पूर्व जयपुर क्षेत्र का ग्रामीण क्षेत्र + आशिक रूप से कुछ शहरी क्षेत्र से)
  - कोटपुतली बहरोड़ (पूर्व जयपुर क्षेत्र + अलवर क्षेत्र से अलग करके)
  - दूदू (पूर्व जयपुर क्षेत्र से अलग करके)

(i) जयपुर शहर (नवीनतम जिला) -

- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **4 तहसीलों (आंशिक)** को शामिल किया है -
  - ✓ **जयपुर** (जयपुर का नगर निगम जयपुर (हेरिटेज) एवं नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
  - ✓ **कालवाड़** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
  - ✓ **आमेर** (आमेर का नगर निगम जयपुर (हेरिटेज) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
  - ✓ **सांगानेर** (सांगानेर का नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
- जयपुर अपनी **समृद्ध भवन निर्माण-परंपरा, सरस-संस्कृति** और **ऐतिहासिक महत्व** के लिए प्रसिद्ध है।
- यह जिला पूर्णत: जयपुर ग्रामीण जिले से सीमा बंद है
- राज्य का राजधानी मुख्यालय
- इसे '**गुलाबी नगरी**' या '**पिंक सिटी**' भी कहा जाता है (स्टैनली रीड ने)
- डॉ. सीवी रमन ने जयपुर को **आयलैंड ऑफ़ ग्लोरी (रंग श्री द्वीप)** कहा था।

  (PETE – 2023)

Toppersnotes Unleash the topper in you

- **महाराजा जयसिंह द्वितीय** (आमेर नरेश) ने **वर्ष 1728** में **जयपुर शहर (हैरीटेज जयपुर)** की स्थापना की थी।
- इस शहर के वास्तुकारइस शहर के वास्तुकार विद्याधर भट्टाचार्य थे।
- **यूनेस्को** द्वारा **जुलाई 2019** में **जयपुर** को **वर्ल्ड हेरिटेज सिटी** का दर्जा दिया गया है।
- जयपुर को भारत का **पेरिस** भी कहा जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - हवामहल, जंतर-मंतर, आमेर दुर्ग, जयगढ़, नाहरगढ़, मोती डूँगरी किला, जलमहल, ईसरलाट, रामनिवास बाग, सिसोदिया रानी का बाग, कनक घाटी, खोले के हनुमानजी एवं अन्नपूर्णा माता रोपवे, चूलगिरि जैन तीर्थ, गलताजी तीर्थ स्थल, ताल कटोरा, गोविंद देवजी मंदिर आदि।

(ii) जयपुर ग्रामीण (नवीनतम जिला) -

इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **4 (आंशिक) + 14 तहसीलों** को शामिल किया है -

- **4 तहसील (आंशिक)**
  - ✓ **जयपुर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज, नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
  - ✓ **कालवाड़** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
  - ✓ **सांगानेर** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
  - ✓ **आमेर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
- **14 तहसील**
  - ✓ जालसू, बस्सी, तूंगा, चाकसू, कोटखावदा, जमवारामगढ़, आंधी, चौमू, फुलेरा, माधोराजपुरा, रामपुरा डाबड़ी, किशनगढ़ रेनवाल, जोबनेर, शांहपुरा
- जयपुर ग्रामीण में बहने वाली नदियों में बाणगंगा, ताल नदी, माधोवती नदी, और रोहडा नदी शामिल हैं
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- शीलतामाता चाकसू, चौमू का किला, गोनेर, सांभर झील (रामसर साइट), जमवारामगढ़ किला, सामोद हनुमानजी मदिर, माधोराजपुरा किला, ज्वाला माता, नरायणा दादू धाम, जगदीश मंदिर, ताला पीर की दरगाह, शांकभरी माता साँभर आदि

(iii) दूदू (नवीनतम जिला) -

- इस नए जिले का गठन **जयपुर** के पृथक कर के बयाना गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **3 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - ✓ दूद, मौजमाबाद, फागी
- **मोजमाबाद** को **सन् 973 ई.** में **परमार शासक राजा मोंज** ने बसाया था।
- आमेर के राजा **मानसिंह प्रथम** का जन्म **मोजामाबाद** में**1550 ई** में हुआ था।
- यह राजस्थान का **सबसे छोटा** जिला है।
- राजस्थान का **पहला पंचायत मुख्यालय** जो सीधा **जिला** बन गया।
- दूदू जिले में सबसे कम **तीन तहसील**, **तीन थाने** और **एक पुलिस सर्किल** है।
- दूदू की पहली जिला कलेक्टर **डॉ अर्तिका शुक्ला** हैं और पहली एसपी **पूजा अवाना** हैं।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** भैराणा धाम (संत दादूदयालजी का निर्वाण एवं समाधि स्थल), छापरवाड़ा बाँध, दूदू किला, मरवा किला, साखून किला, भतों की बावड़ी (मोजमाबाद), दिगंबर समाज का जैन मंदिर(गुफाओं का मंदिर), 52 परिवार की हवेली (मोजमाबाद) आदि ।

(iv) कोटपूतली-बहरोड़ (नवीनतम जिला) -

- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **8 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - ✓ कोटपूतली, बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर, विराटनगर, पावटा
  - ✓ **पूर्व जयपुर क्षेत्र** से कोटपुतली, विराटनगर, पावटा और **अलवर से** बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर आदि को नवनिर्मित जिला **कोटपूतली - बहरोड़** में शामिल किया गया है
- इस जिले के एक बड़े क्षेत्र को आमतौर पर **"राठ"** के रूप में जाना जाता है
- **विराटनगर** तहसील का उल्लेख **प्राचीन भारतीय ग्रंथों** में **मत्स्य साम्राज्य** की **राजधानी** के रूप में मिलता है
- **विराटनगर** में पर **लघु शिलालेख** और **भाबरू शिलालेख** मिले है यहां खुदाई से प्राप्त **मुद्राओं** से **इंडो-ग्रीक शासन** के स्पष्ट संकेत मिलते है।
- यहां **मोर्य कालीन सभ्यता** के प्रमाण मिले है।
- **इस जिले की आकृति** आसमान में उड़ते हुए **सारस** जैसी लगती है
- यह **साबी नदी** का बहाव क्षेत्र भी है इसलिए इसे **'साबी-कांठा'** भी कहा जाता है

- यहां **बुचारा** और **बाबरिया** नाम से दो बाँध है।
- **बुचारा राजकीय तेंदुआ अभ्यारण्य** जिसकी घोषणा सन् 2023 में हुई है ।
- **कोटपूतली** में **एशिया** का सबसे बड़ा **सीमेंट का कारखाना** मौजूद है और **बहरोड़** में देश की सबसे बड़ी **ग्रीनलैम प्लाईवुड इंडस्ट्री** है।
- नीमराना में पारले-जी बिस्किट, रिचलाइट बिस्किट, हैवेल्स, हीरो बाइक प्लांट,डाइकिन एसी, सहित कई **छोटे-बड़े उद्योग** हैं।
- **भारत** के पूर्व प्रधानमंत्री **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** मिडवे बहरोड़ में अपना **79 वॉ जन्मदिन** बनाया था।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - विराटनगर (प्राचीन नाम बैराठ, बौद्ध स्तूप-मौर्यकालीन अवशेष, गणेश डूँगरी, बीजक डूँगरी, भीम डूँगरी), नीमराणा किला,

(v) दौसा -

- 10 अप्रैल 1991 को दौसा को जयपुर से अलग कर के नया जिला बनाया गया था **(जेल प्रहरी – 2017)**
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **16 तहसीले** आती है
  - ✓ दौसा, नांगल राजावतान, निर्झरना, बैजूपाडा, बसवा, बहरावण्डा, बांदीकुई, मण्डावर महवा, रामगढ़ पचवारा, राहूवास, लवाण, लालसोट, सैंथल, सिकराय, कुण्डल **(Raj Pol. – 2022)**
- बड़गुर्जरों (गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज प्रतिहार) ने आभानेरी मे स्थित चाँदबावडी का निर्माण करवाया था ।
- राजस्थान के **पहले निर्वाचित** मुख्यमंत्री **श्री टीकाराम पालीवाल** इसी जिले के निवासी थे।
- यहां **दूल्हेराय कछवाहा** ने **1137 ई.** में **बड़गूजरों** को हराया तथा **दौसा** को **कछवाहा वंश** की **प्रथम राजधानी** बनाई गई ।
- दौसा को **देवनगरी (देवगिरी)** के नाम से भी जाना जाता है।
- दौसा **संत सुन्दर दास जी** की **नगरी** होने से **राजस्थान सरकार** द्वारा उनका **पैनोरमा** बनाया गया हैं।
- दौसा जिले में बाँदीकुई महत्त्वपूर्ण जंक्शन है जो **जयपुर-दिल्ली-आगरा** के मध्य तीनों महानगरों को जोड़ता है।
- यहां की प्रमुख नदी **ढुढ नदी** और **मोरेल नदी** है।
- **बसवा, दौसा** के **टेरिकोटा** बर्तन व खिलौने प्रसिद्ध है।

- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - हर्षद माता (सचिनी देवी) मंदिर, मेंहदीपुर बालाजी मंदिर, चांद बावड़ी-बावड़ी, झाझी रामपुरा, भंडारेज, लोटवाड़ा,बांदीकुई चर्च आदि

(vi) खैरथल तिजारा (नवीनतम जिला) -

- इस नए जिले का गठन **अलवर** के पृथक कर के बयाना गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है
  - ✓ खैरथल, तिज़ारा, किशनगढ़बास, कोटकासिम, हरसोली, टपूकडा, मंडावर
- खैरथल तिजारा को **राठ** व **मेवात** की **संगम स्थली** के नाम से भी जाना जाता है
- इस क्षेत्र को प्राचीनकाल **कायास्थल** नाम से जाना जाता था और **औरंगजेब** के **शासनकाल** में इसे **खैरीपत** नाम से भी जाना जाता था
- तिजारा में विश्व प्रसिद्ध **देहरा जैन मंदिर** स्थित है।
- खैरथल में राज्य **दूसरी** सबसे बड़ी **सरसों मंडी** स्थित है।
- राज्य का सबसे महत्वपूर्ण **इंडस्ट्रियल नगर** भिवाड़ी स्थित है जिसे **आधुनिक राजस्थान** का **मैनचेस्टर** कहा जाता है और यहां **नोट में इस्तेमाल** होने वाली **स्याही कारखाना** है।
- यहां राज्य का पहला ए**कीकृत औद्योगिक पार्क** टपूकड़ा (भिवाड़ी) में है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- तिजारा के महल, तिजारा जैन तीर्थ,अलीबक्श पैनोरमा मुण्डावर,,बीबीरानी माता का मंदिर, हिंगलाज माताजी आदि ।

(vii) अलवर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **12 तहसीले** आती है
- अलवर, गोविन्दगढ़, रैणी, लक्ष्मणगढ़, मालाखेड़ा, राजगढ़, टहला, रामगढ़, नौगावा, थानागाजी, प्रतापगढ़, कठूमर
- अलवर भारत के **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR)** में आता है
- अलवर को राजस्थान का **सिंह द्वार** भी कहते हैं।
- **अलवर** क्षेत्र को **महाभारत काल** में **मत्स्य** नाम से जाना जाता था। तथा इसे अन्य नाम से भी जाता था जैसे - अरवलपुर, उल्व', शालवापु', सलवार,हलवार आदि
- अलवर की स्थापना **वर्ष 1775** को **माचाडी** के **राव प्रताप** ने की थी।

- अलवर **कछवाहा राजवंश** द्वारा शासित रियासत रही है।
- अलवर को **राजस्थान** का **सिंह द्वार** भी कहते हैं।
- अलवर का किला जिसे **बालाकिला किला** नाम से भी जाना जाता है जिसका निर्माण **वर्ष 1492** में **हसन खान मेवाती** ने करवाया था।
- **वई क्षेत्र** - वर्तमान का **थाना गाज़ी** का क्षेत्र। इस क्षेत्र पर **शेखावत राजपूतो** का प्रभुत्व था।
- **नरुखंड़ क्षेत्र** - इस क्षेत्र पर **नरुका** और **राजावत राजपूतो** का प्रभुत्व हुआ करता था।
- **मेवात क्षेत्र** - इस क्षेत्र पर **मेव जाति** अधिक पाई जाती है इस वजह से यह **क्षेत्र मेवात** कहलाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** बालाकिला किला, भानगढ़ किला, अजबगढ़ किला, सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान, सरिस्का पैलेस, सिलीसेढ़ झील,फतहगंज का मकारा, पूर्जन विहार, अलवर सिटी पैलेस, विजय मंदिर झील, जय समन्द झील, कम्पनी बाग आदि।

2. बीकानेर संभाग

- नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **बीकानेर संभाग** में **4 जिलों** को शामिल किया गया है तथा **चूरू जिले** को को **बीकानेर संभाग** से हटाकर **नए संभाग (सीकर)** में शामिल किया गया है। बीकानेर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -
  - बीकानेर, श्रीगंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़
- इस संभाग का नवीनतम जिला **अनूपगढ़** है जो कि **श्रीगंगानगर** जिले अलग कर के बनाया गया है

(i) बीकानेर -

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **10 तहसीले** आती है
  - बीकानेर, लूणकरणसर, नोखा, पूगल, श्रीडूंगरगढ़, कोलायत, हदा, बज्जू, छत्तरगढ़, खाजूवाला
- बीकानेर की स्थापना **वर्ष 1488** को **जोधपुर** के **महाराजा राव जोधा** के पुत्र **बीकाजी** ने की थी
- प्राचीनकाल में इस क्षेत्र को **जांगल प्रदेश** या **राती घाटी** के नाम से जाना जाता था। **(JEN Civil -2022)**
- बीकानेर में **सोथी, पूंगल, डाडाथोरा** प्राचिन सभ्यताएं है।
- यहा का गजनेर अभ्यारण्य **बटबट तीतर पक्षी (इम्पीरियल सेन्डगाउज, रेत का तीतर)** के लिए प्रसिद्ध है।
- **बीकानेर** में स्थित **महत्वपूर्ण केंद्र** -
  - ऊन काम्पलेक्स (औद्योगिक पार्क) -
  - स्टेट वुलन मिल्स लिमिटेड(ऊन कारखाना)
  - केन्द्रीय अश्व प्रजनन केन्द्र - जोहड़बीड़
  - केन्द्रीय ऊंट प्रजनन केन्द्र - जोहड़बीड़
  - राजस्थानी भाषा, संस्कृति एवं साहित्य विभाग का मुख्यालय
- **बीकानेर की प्रसिद्ध हस्तकला -** सुनहरी पॉटरी, लोई - नापासर, वियना व फारसी गलीचे, मथैरण कला,
- बीकानेर का **ऊट महोत्सव** विश्व प्रसिद्ध है जिसका आयोजन **जनवरी** में होता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - जूनागढ़, लालगढ़ महल, लक्ष्मी निवास पैलेस, रामपुरिया हवेली, श्री करनी माता मंदिर, गजनेर पैलेस, सूरसागर, रुणिचा धाम मंदिर, कोडमदेसर भैरव मंदिर, बीकाजी की टेकरी, भांड़ासर के जैन मंदिर, लक्ष्मीनारायण जी मंदिर, देवीकुंड,कोलायत झील, पूनरासर बालाजी, गंगा गोल्डन जुबली म्यूजियम आदि

(ii) श्रीगंगानगर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **6 तहसीले** आती है
  - श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, सूरतगढ़, सार्दुलशहर, पदमपुर, गजसिंहपुर
- राजस्थान का **अन्न का कटोरा** कहलाने वाले इस जिले का नाम **बीकानेर महाराज गंगा सिंह** के नाम पर रखा गया है।
- पहले **श्रीगंगानगर** को **रामनगर** या **रामू की ढाणी** कहा जाता था।
- यह शहर, सरसों, कपास, बाजरा, गन्ना, चना, और कीनू के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है
- यह जिला **सिंचित कृषि क्षेत्र** में स्थित होने के कारण प्रमुख **व्यापारिक मंडी** तथा **यातायात केंद्र** हो गया है।
- **गंग नहर** को **श्रीगंगानगर** की **जीवन रेखा** कहा जाता है जिसका निर्माण **बीकानेर नरेश गंगासिंह** द्वारा **वर्ष 1927** में करवाया गया था।
- राजस्थान का **प्रथम सुपर थर्मल पावर प्लांट** श्रीगंगानगर के **सुरतगढ़** में स्थित है। (सूरतगढ़ तापीय विधुत परियोजना)
- श्री गंगानगर में **राज्य** का **छठा शुष्क बंदरगाह** बनाया गया है।
- **रूस** के आर्थिक सहयोग से **15 अगस्त 1956** को **सूरतगढ़** में **एशिया** के **सबसे बड़े कृषि फार्म** की स्थापना की गई।
- राजस्थान में सबसे ज्यादा **धुल भरी आंधियां** इस जिले में चलती है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** हिंदुमलकोट बॉर्डर, बुद्ध जोहड़ गुरुद्वारा, पदमपुर आदि

(iii) हनुमानगढ़

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसीले** आती है
  - हनुमानगढ़, टिब्बी, नोहर, पल्लू, पीलीबंगा, भादरा, रावतसर, संगरिया

- प्राचीन समय में इस प्रदेश को **यौधेय प्रदेश** के नाम से भी जाना जाता था।
- हनुमानगढ़ 12 जुलाई, 1994 को **श्रीगंगानगर ज़िले** से अलग करके **राजस्थान** का **31वां** बनाया गया है। **(Patwar – 2021)**
- इस नगर को **सन् 285 ई.** में **राजा भूपत सिंह भाटी** ने बसाया था।
- हनुमानगढ़ का **पुराना** नाम **भटनेर** था जो की **'भट्टीनगर'** का अपभ्रंश है, जिसका अर्थ है - **भट्टी** या **भाटीयों का नगर** से है।
- **बीकानेर** के **राजा सूरज सिंह** ने इसे **मंगलवार के दिन जीता** था तब इसका नाम **'हनुमानगढ़'** रखा गया।
- यहा **घग्घर नदी (सरस्वती)** बेसिन क्षेत्र में **हडप्पा कालीन** सभ्यता **कालीबंगा** विकसित हुई।
- यह एक **कृषि प्रधान जिला** है जहाँ किन्नू, कपास, गेहूं, चावल आदि की खेती प्रमुखता की जाती है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - भटनेर दुर्ग, श्री गोगाजी का मंदिर, गोगामेडी पैनोरमा, कालीबंगा, पीलीबंगा, माता भद्रकाली का मंदिर, मसितावली हेड (इंदिरा गाँधी नहर) आदि

(iv) अनूपगढ़ (नवीनतम जिला) -

- नवीनतम जिला अनूपगढ़ श्री गंगानगर जिले अलग करके बनाया गया है
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है
  - अनूपगढ़, रायसिंहनगर, श्रीविजयनगर, घड़साना, रावला
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - अनुपगढ़ किला, लैला मजनू की मजार, गुल्लू पीर बाबा की मज़ार, ब्रोर गांव (सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष) आदि

3. जोधपुर संभाग

- नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **जोधपुर संभाग** में **6 जिलों** को शामिल किया गया है तथा **पाली, जालौर, सिरोही, सांचौर** (नवीनतम जिला) जिलों को **जोधपुर संभाग** से हटाकर नए **संभाग पाली** में में शामिल किये गए है जोधपुर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -
  - जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा
  - पूर्व जोधपुर क्षेत्र से निम्नलिखित **निम्नलिखित जिले** बनाये गए
    - जोधपुर शहर (पूर्व जोधपुर क्षेत्र का शहरी भाग)
    - जोधपुर ग्रामीण (पूर्व जोधपुर क्षेत्र का ग्रामीण क्षेत्र + आशिक रूप से कुछ शहरी क्षेत्र से)
    - फलौदी
  - **बाड़मेर** से अलग कर के **बालोतरा** नाम से **नया जिला** बनाया गया है

(i) जोधपुर शहर (नवीनतम जिला) -

- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **2 तहसीलों** को शामिल किया है
  - **जोधपुर उत्तर** (नगर निगम के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
  - **जोधपुर दक्षिण** (नगर निगम के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
- यह जिला पूर्णत: **जोधपुर ग्रामीण** जिले से **सीमा बंद** है
- जोधपुर को **मरुस्थल का प्रवेश द्वार / सूर्यनगरी** कहा जाता है। **(JEN Civil – 2022, REET - 2022)**
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** -
  - **दुर्ग/ छतरी/ झील/ बावड़ी/ हवेली** - मेहरानगढ़ दुर्ग,बिंजोलाई महल, कायलाना झील, माचिया सफारी पार्क, छीतर पैलेस, जसवंत थड़ा, सूरसागर महल, जवाहरखाना, गिरदीकोट, पुष्य नक्षत्र हवेली, पोकरण हवेली, राखी हवेली, पाल हवेली, बड़े मियां की हवेली, श्याम मनोहर प्रभु की हवेली, कविराजजी की हवेली, कागा की छतरियां, गोरा धाय की छतरी, बालसमंद झील, रानीसर-पदमसर तालाब, तापी बावड़ी आदि।
  - **प्रमुख मंदिर** - गंगाश्यामजी मंदिर, कुंजबिहारी मंदिर, राजरणछोड़जी मंदिर, अचलनाथ शिवालय, रसिक बिहारी मंदिर, तीजा माँजी का मंदिर, मूथाजी का मंदिर, ज्वालामुखी मंदिर, शिवकुण्ड, रातानाडा गणेशजी मंदिर, रामेश्वर महादेव, खराना देवी मंदिर,जैन संबोधि धाम आदि
  - **मण्डोर क्षेत्र** - मण्डोवर भैंरूजी, देवताओं की साल, जनना महल, मंडोर उद्यान, एक थम्बा महल, मण्डोर संग्रहालय, पंचकुण्डा, रावण की चंवरी, नागादड़ी, राजाओं के देवल आदि

(ii) जोधपुर ग्रामीण (नवीनतम जिला) -

- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **10 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - जोधपुर उत्तर, जोधपुर दक्षिण, (नगर निगम के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग को छोड़कर समस्त भाग) लूणी, बिलाड़ा, भोपालगढ़, पीपाड़सिटी, ओसियाँ, बावड़ी, शेरगढ़, बालेसर
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- सच्चियाय माता मंदिर (ओसियां), खांखू माता मंदिर पीपलाद माता (पीपाड़) मंदिर,आईमाता मंदिर-बिलाड़ा,खोखरी माता मंदिर, बाणगंगा तीर्थ, गुढ़ा बिश्नोईयां, कापरड़ा जैन तीर्थ, अरणा झरणा जलप्रपात, लोककला संग्रहालय,बड़ली भैरूजी मंदिर, तिंवरी,, शिलालेख घटियाला(प्रतिहार कालीन) आदि

(iii) फलौदी (नवीनतम जिला)

- इसे **जोधपुर क्षेत्र** से अलग कर के नया जिला बनाया गया है
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **8 तहसीलों** को शामिल किया है -
    - फलौदी, लोहावट, आऊ, देचु, सेतरावा, बाप, घंटियाली, बापिणी
- राज्य का **सबसे गर्म जिला** (पहले राज्य का सबसे गर्म स्थान था) ।
- दुनिया सा **सबसे बड़ा सोलर पार्क भडला**, **एयर फ़ोर्स स्टेशन** इसी जिले में आते है ।
- इसे जिला **नमक नगरी** के नाम से जाना जाता हैं ।
- फलोदी मुख्य रूप से **फलवृद्धिका** नाम से बसा है।
- इसका सबसे प्राचीन नाम **विजयनगर** था
- **विक्रम संवत 1515** में **श्री सिद्धू कल्ला** ने **फलोदी गाँव** की स्थापना की थीं
- इसका नाम **फलवृधिका** नाम रखा गया अब इसे **फलोदी** के नाम से जाना जाता है
- **परमवीर मेजर शैतान सिंह** फलोदी के **बाणासर गाँव** के थे वर्तमान में इस गाँव का नाम **शैतान सिंह नगर** कर दिया गया
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - रामदेवरा, खींचन गाँव, फलौदी की हवेलियाँ, फलौदी का किला, झूमर लाल निवास

(iv) जैसलमेर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **7 तहसीले** आती है ।
    - जैसलमेर, पोकरण, फतेहगढ़, फलसुण्ड, भणियाणा, रामगढ़, सम
- यह राजस्थान का सबसे **बड़ा ज़िला** है ।
- इसकी की स्थापना **वर्ष 1155 ई**. में **भाटी वंश** के **राजा राव जैसल** ने की थी
- इस जिले को "**राजस्थान का अंडमान**" और **"स्वर्ण नगरी"** भी कहा जाता है ।
- जैसलमेर प्राचीन काल में **मांडधरा** और **वल्लभ मंडल** कहलाता था । **(VDO -2021)**
- इस जिले में यादवों के वंशज **भाटी राजपूतों** की प्रथम राजधानी **तनोट**, दूसरी **लौद्रवा** तथा तीसरी **जैसलमेर** में रही।
- जयनारायण व्यास, सागरमल गोपा जैसे महान व्यक्तियों की जन्मस्थली ।
- यहा बोली मुख्यतः राजस्थान के **मारवा क्षेत्र** में बोली जाने वाली **थली भाषा** मारवाड़ी भाषा की ही उपबोली है ।
- **मरु संस्कृति** का **प्रतीक** जैसलमेर **कला** व **साहित्य** का **केन्द्र** रहा है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - जैसल मेर का किला [सोनार किला/स्वर्ण किला (त्रिकुट पहाड़ी),] सैम सैंड ड्यून्स, डेजर्ट नेशनल पार्क,गड़ीसर झील, सलीम सिंह की हवेली, पटवों की हवेली तनोट माता मंदिर, जैन मंदिर

(v) बाड़मेर

- बाड़मेर जिले का मुख्यालय **मातासर नगर** है
- बाड़मेर का नाम परमार शासक **बहादा राव** के नाम पर पड़ा है जो की **जूना (बाड़मेर)** के शासक थे ।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **12 तहसीले** आती है
    - बाड़मेर, बाड़मेर ग्रामीण, बाटाडू, गड़रारोड़, रामसर, चौहटन, धनाउ, धोरीमन्ना, गडामालानी, नोखडा, सेड़वा, शिव
- इस जिले की **मलाणी घोड़े की नस्ल** विश्व प्रसिद्ध है ।
- राजस्थान में लिग्नाइट गोयले पर आधारित प्रथम विधुत संयंत्र गिरल बाड़मेर में है।
- बाड़मेर के **शिव, गुडा मलानी** आदि क्षेत्रों में **पैट्रोलियम भण्डार** मिले हैं। **(REET – 2023)**
- बाड़मेर का **चौहटन** क्षेत्र **गोंद** के लिए देश भर में प्रसिद्ध है।
- **रेडक्लिफ रेखा** से सटे **बाड़मेर जिले** का अंतिम गांव **सुंदरा** है ।
- **रूमा देवी** एक **समाज सेविका** व **भारतीय पारंपरिक हस्तकला कारीगर** है जो की **बाड़मेर की निवासी** है जिन्हें "**नारी शक्ति पुरस्कार 2019"** से सम्मानित किया गया था। **(RAS – 2021)**
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**
- बाड़मेर जिले में पुष्कर (अजमेर) के बाद दुनिया का **दूसरा ब्रह्मा मंदिर** स्थित है जिसका निर्माण **ब्रह्मऋषि संत खेतारामजी** महाराज ने करवाया था।
- **किराडू के मंदिर** यह मदिर अपनी **सोलंकी वास्तुकला शैली** के लिए जाने जाने वाले इन मंदिरों में उल्लेखनीय और शानदार मूर्तियां हैं। ये मंदिर **भगवान शिव** को समर्पित हैं और **पांच मंदिरों** में से **सोमेश्वर मंदिर** सबसे उल्लेखनीय है।
- अन्य **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** जैसे बाड़मेर किला,जूना किला, देवका-सूर्य मंदिर, चिंतामणि पारसनाथ जैन मंदिर, महाबार रेत के टीले-बाड़मेर, सफ़ेद अखाड़ा आदि प्रसिद्ध है ।

(vi) बालोतरा (नवीनतम जिला)

- बालोतरा को **बाड़मेर** से अलग कर के **नया जिला** बनाया गया है
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है -
    - पचपदरा, कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, बायतु, गिड़ा, सिणधरी
- बालोतरा को "**वस्त्र नगरी"** और **"पॉपलाइन नगरी"** के नाम से भी जाना जाता है ।

- यह शहर हाथ **ब्लॉक प्रिंटिंग** और **पॉलिएस्टर कपड़ों** की **रंगाई** और **छपाई** के लिए भी मशहूर है।
- बालोतरा के तिलवाड़ा क्षेत्र **वार्षिक रेगिस्तान** और **पशु मेले** के लिए प्रसिद्ध है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- प्राचीन विष्णु मंदिर, खेड़ मंदिर, वालोती मंदिर, रानी भटियाणी मंदिर (जसोल गाँव - पचपदरा), श्री नाकोड़ा जैन मंदिर, चोंच मंदिर, मोहनराज जी मंदिर, जानराज जी मंदिर, नृसिंह जी मंदिर, हनुमान मंदिर, खेड़ मंदिर, बिठूजा मंदिर आदि प्रमुख पर्यटन स्थल है।

4. भरतपुर संभाग

- नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **भरतपुर संभाग** में **6 जिलों** को शामिल किया गया है। दो नवगठित जिले **गंगापुरसिटी** और **डीग** को **भरतपुर संभाग** में शामिल किया गया। भरतपुर संभाग, राजस्थान का **सबसे पूर्वी संभाग** है
- भरतपुर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -
  - भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, डीग **(जेल प्रहरी – 2017)**

(i) भरतपुर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसीले** आती है -
  - भरतपुर, बयाना, वैर, भुसावर, रूपवास, रूदावल, उच्चैन, नदबई
- भरतपुर को **'राजस्थान का पूर्वी द्वार'** भी कहा जाता है
- भरतपुर की स्थापना **महाराजा सूरजमल** ने **वर्ष 1733 ई.** में भरतपुर शहर की की थी।
- विश्व धरोहर **घना पक्षी अभ्यारण्य (केवलादेव)** प्रवासी पक्षियों का भी **बसेरा** है जिसे **पक्षियों का स्वर्ग** भी कहा जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - गंगा महारानी मंदिर, बाँके बिहारी मंदिर, भरतपुर का लोहादुर्ग, मोती झील, लक्ष्मण मंदिर, घना पक्षी अभ्यारण्य (केवलादेव) आदि।

(ii) डीग (नवीनतम जिला)-

- इस नवीनतम जिले को **भरतपुर** से अलग करके बनाया गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **9 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - डीग, जनूथर, कुम्हेर, रारह, नगर, सीकरी, कामां, जुरहरा, पहाड़ी
- डीग का प्राचीन नाम **दीर्घापुर** था।
- **राजा बदन सिंह** ने **डीग** को **भरतपुर राज्य** की **पहली राजधानी** ने बनाई थी।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - डीग किला, जलमहल, सूरज भवन, गोपाल भवन,किशन भवन, हरदेव भवन, नंद भवन, केशव भवन, आदि।

(iii) धौलपुर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसीले** आती है -
  - धौलपुर, बसेड़ी, बाड़ी, मनिया, राजाखेड़ा, सेंपऊ, सरमथुरा, बसई नवाब
- धौलपुर चम्बल नदी के किनारे बसा हुआ शहर है
- धौलपुर जिला अ**रावली पर्वतमाला** और **विंध्याचल पर्वतमाला** तथा **उत्तर का विशाल मैदान** का **मिलन स्थल** है।
- इस जिले में **चम्बल नदी** के प्रसिद्ध **बीहड़** हैं।
- धौलपुर जिले में **मिलिट्री स्कूल** स्थित है।
- यहां का **लाल बलुआ पत्थर** पूरे भारत में प्रसिद्ध है।
- प्रसिद्ध विश्व धरोहर **दिल्ली के लाल क़िले** के निर्माण में भी **धौलपुर लाल बलुआ पत्थर** का इस्तेमाल किया गया था
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- चौपड़ा-महादेव मन्दिर, मुचुकुन्द-सरोवर, शेरगढ़ किला, मंदिर श्री राम-जानकी, श्री हनुमान जी, पुरानी छावनी, खानपुर महल, वनविहार वन्य जीव अभयारण्य, तालाब-ए-शाही, रामसागर-अभयारण्य, निहाल टॉवर, श्री महंकाल (महाकालेश्वर) मन्दिर, सरमथुरा, लसवारी, मुगल गार्डन, दमोह जल प्रपात और कानपुर महल, राजा मुचुकुंद की गुफ़ा आदि।

(iv) करौली

- करौली को **19 जुलाई, 1997** में राजस्थान का **32वां ज़िला** बनाया गया था। **(Patwar – 2021)**
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **7 तहसीले** आती है -
  - करौली, मासलपुर, सपोटरा, मण्डरायल, हिण्डौन, सूरौठ, श्रीमहावीरजी
- करौली की स्थापना **वर्ष 955 ई.** के आसपास **राजा विजय पाल** ने की थी।
- करौली अपने **ऐतिहासिक किलों** और **मंदिरों** के लिए मशहूर है।
- इस जिले को डांग की रानी कहा जाता है। **(Salt Insp. – 2018)**
- करौली में **खड़ी बोली** सबसे ज़्यादा प्रचलित है जो की यहां की **लोकल भाषा**, **ब्रज भाषा** और **मेवाती** के **मिश्रण** से बोली जाती है।
- करौली जिले में **फरवरी माह** में **पशु मेले** का आयोजन किया जाता है जहाँ **हजारो मवेशी** यहां लाए जाते हैं।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - सिटी पैलेस, तिमनगढ़ किला, मंडरायल किला,देवगिरी किला, उत्गीर किला, भँवर विलास महल, मदन मोहन जी का मंदिर, कैला देवी मंदिर, श्री कल्याण राय जी मंदिर, गोमती धाम, राजा गोपालसिंह जी की छतरी, गधमोरा, कैला देवी अभ्यारण्य, पांचना बांध, मामचारी बांध आदि।

(v) सवाई माधोपुर

- जयपुर के महाराजा **सवाई माधोसिंह प्रथम** ने **18वीं शताब्दी (वर्ष 1763 ई.)** में **सवाई माधोपुर** की स्थापना की थी।

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **6 तहसीले** आती है
  - सवाई माधोपुर, खण्डार, चौथ का बरवाड़ा, बौली, मित्रपुरा, मलारनाडूंगर
- सवाई माधोपुर जिला **अरावली** और **विंध्य** से घिरा हुआ है
- सवाई माधोपुर जिला महान शासक **हम्मीर देव चौहान** और बाघों के लिए प्रसिद्ध **रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान** के लिए जाना जाता है
- सवाई माधोपुर **प्रतिवर्ष 19 जनवरी** को अपना **स्थापना दिवस** मनाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - रणथंभौर दुर्ग (विश्व विरासत), चौथ का बरवाड़ा, रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान, खण्डार का किला, त्रिनेत्र गणेश मंदिर, सवाई माधोपुर लॉज,अमरेश्वर महादेव मंदिर,घुश्मेश्वर मन्दिर (शिवाड़ गाँव), अरणेश्वर महादेव सप्त कुंड, रामेश्वर त्रिवेणी संगम, सवाई मानसिंह अभयारण्य, काला-गौरा भैरव मंदिर, मीन भगवान का भव्य मंदिर (चौथ का बरवाड़ा),
- **रणथंभौर दुर्ग में स्थित महत्वपूर्ण स्थल** - नौलखा दरवाजा, तोरण दरवाजा/अंधेरी, हाथीपोल दरवाजा, सूरजपोल दरवाजा, गणेशपोल दरवाजा जोगी महल, जयसिंह की छतरी,माला महल कचहरी

(vi) गंगापुरसिटी (नवीनतम जिला) -

- गंगापुरसिटी जिले का निर्माण सवाईमाधोपुर एवं करौली जिलों के पुनर्गठन से किया गया है। इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - गंगापुर सिटी, तलावड़ा, वजीरपुर, बामनवास, बरनाला(**सवाईमाधोपुर से**) और टोडाभीम, नादोती (**करौली से**)
- राजा **कुशलीराम हल्दिया** ने इस नगर की स्थापना की थी।
- गंगापुर सिटी को प्राचीन नाम **कुशलगढ़** था, बाद में **देवी गंगा** का **मंदिर** बनने कारण इसको **गंगापुर** के नाम से जाना जाने लगा।
- '**ब्रिटिश काल** में **अंग्रेजों द्वारा** इसमें '**सिटी**' जोड़ दिया गया, अत: वर्तमान में इसे **गंगापुर सिटी** के नाम से जाना जाता है।
- गंगापुर सिटी में **मावा से बनने वाली** प्रसिद्ध मिठाई को **खीरमोहन** के नाम से जाना जाता है। इस मिठाई श्रेय **हाबूलाल हलवाई** को जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** जगदीश जी मंदिर (नादोती),धूबेश्वर महादेव मंदिर,घटवासन माता का मन्दिर (गुढाचन्द्रजी गांव), दाउदजी महाराज का मंदिर (नादोती) आदि।

5. अजमेर संभाग

- हरि देव जोशी सरकार के काल में 15 जनवरी, 1987 को जयपुर संभाग से अलग होकर बना था। अजमेर संभाग, राजस्थान का छठा संभाग है।
- यह राजस्थान का **मध्यवर्ती संभाग** है।
- अजमेर संभाग में निम्नलिखित **7 ज़िले** आते हैं -
  - अजमेर, नागौर, टोंक, ब्यावर, केकड़ी, शाहपुरा, डीडवाना-कुचामन।
- वर्तमान में भीलवाडा जिले को उदयपुर संभाग में मिला दिया गया है

(i) अजमेर

- अजमेर की स्थापना **सातवीं शताब्दी** में **राजा अजयराज सिंह चौहान** ने की थी।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **7 तहसीले** आती है
  - अजमेर, पुष्कर, पीसांगन, नसीराबाद, किशनगढ़, रूपनगढ़, अराई
- यह राजस्थान का एक **प्रमुख** और **ऐतिहासिक** शहर है।
- अजमेर नगर का मूल नाम '**अजयमेरु**' था।
- अजमेर को अन्य कई नामों से भी जाना जाता है जैसे - भारत का मक्का, अंडो की टोकरी, राजस्थान का हृदय आदि। **(जेल प्रहरी – 2017)**
- अजमेर के किशनगढ़ नगर को मार्बल मंडी के नाम से प्रसिद्ध है।
- अजमेर में **लाल्या काल्या का मेला** और **पुष्कर का मेला** आदि विश्व प्रसिद्द मेले है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - तारागढ़ दुर्ग, ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह, अकबर के महल,अढ़ाई-दीन का-झोपड़ा, पुष्कर ब्रह्मा तीर्थ, सोनीजी की नसियां, मेयो कॉलेज, नारेली जैन मन्दिर, आना सागर झील, फॉयसागर झील आदि।

(ii) डीडवाना कुचामन (नवीनतम जिला) -

- **डीडवाना -कुचामन जिले** का निर्माण **नागौर जिले** से अलग कर के बनाया गया है।
- इस जिले का नाम दो शहर **डीडवाना** और **कुचामन सिटी** के नाम से रखा गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **8 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - डीडवाना, कुचामन सिटी, मौलासर, छोटी खाटू, लाडनूं, परबतसर, मकराना, नावां
- डीडवाना को **मारवाड़** का '**सिंहद्वार**' एवं **शेखावाटी** का '**तोरण द्वार**', **आभानगरी** व **उपकाशी** आदि नामों से जाना जाता है
- यहां स्थित खारे पानी की झीलें **डीडवाना** और **नावां महत्वपूर्ण झीलें** है जिनका नमक पुरे भारत में वितरित किया जाता है।
- मकराना **सफ़ेद संगमरमर पत्थर** के लिए प्रसिद्ध है, यहां के **संगमरमर पत्थरों** का उपयोग **विश्व विरासत ताजमहल** के **निर्माण** में किया गया था तथा **पंजाब** के **स्वर्ण मंदिर** मे भी इस के मार्बल का उपयोग किया है।